

**डिक्री बमुकदमें इब्तदाई**  
(ओ 20 रूल 6,7 जाब्ता दीवानी)

अदालत :- सहायक कलक्टर (फास्ट ट्रेक), मुकाम:- जैतारण  
जिलास :- श्री रवि प्रकाश, आर०ए०एस०

-: वादीगण :- बनाम -: प्रतिवादीगण :-

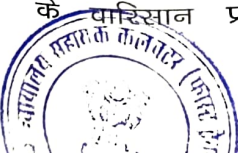
- |  |  |
|--|--|
| <ol style="list-style-type: none"> <li>1. भवानीसिंह पुत्र नारायणसिंह</li> <li>2. विकलसिंह पुत्र नारायणसिंह</li> <li>3. जगपालसिंह पुत्र नारायणसिंह<br/>जातियान- राजपूत, निवासीगण-<br/>राबड़ियावास, तहसील- जैतारण,<br/>जिला- ब्यावर(राज.)</li> </ol> | <ol style="list-style-type: none"> <li>1. मानसिंह पुत्र नन्दसिंह</li> <li>2. उमरावसिंह पुत्र नन्दसिंह</li> <li>3. उदयसिंह पुत्र नन्दसिंह</li> <li>4. राजकंवर पुत्री नन्दसिंह</li> <li>5. भंवरकंवर पत्नी नन्दसिंह फौत<br/>के का०मु०<br/>5/1. मानसिंह पुत्र नन्दसिंह<br/>5/2. उमरावसिंह पुत्र नन्दसिंह<br/>5/3. उदयसिंह पुत्र नन्दसिंह<br/>5/4. राजकंवर पुत्री नन्दसिंह<br/>5/5. किशनसिंह पुत्र लालसिंह<br/>5/6. राजेश कंवर पत्नी<br/>लालसिंह</li> <li>6. किशनसिंह पुत्र लालसिंह</li> <li>7. राजेश कंवर पत्नी लालसिंह<br/>जातियान- राजपूत, निवासीगण-<br/>राबड़ियावास, तहसील- जैतारण,<br/>जिला- ब्यावर(राज.)</li> <li>8. उपपंजीयन अधिकारी एवं<br/>तहसीलदार जैतारण, तहसील-<br/>जैतारण, जिला- ब्यावर(राज०)</li> <li>9. पटवारी, पटवार हल्का-<br/>राबड़ियावास, तहसील- जैतारण,<br/>जिला- ब्यावर(राज०)</li> </ol> |
|--|--|

**राजस्व वाद बाबत् घोषणा एवं स्थाई निषेधाज्ञा अन्तर्गत धारा 88, 92ए  
एवं 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम, 1955**

रा०वा० स०: 31/2022

निर्णय एवं डिक्री दिनांक :- 28.08.2025

यह मुकदमा आज वास्ते ईनफिसाल कतई रुबरु .....-..... व  
हाजरी श्री धर्मेश जांगिड़, अधिवक्ता, वादीगण मिनजानिब मुद्धई व श्री नीतेश चौहान,  
अधिवक्ता, प्रतिवादी संख्या 03 मिनजानिब मुद्धायलाह पेश होकर हुक्म दिया जाता है  
कि वाद वादीगण अन्तर्गत धारा 88, 92ए एवं 188 राजस्थान काश्तकारी  
अधिनियम, 1955 वादीगण के पक्ष में बखूबी साबित होने एवं सारवान होने से  
स्वीकार किया जाता है। सरहद मौजा- राबड़ियावास, पटवार हल्का- राबड़ियावास, भू-  
अभि.निरीक्षक क्षेत्र बलाड़ा तहसील- जैतारण, जिला- ब्यावर(राज.) में स्थित वादग्रस्त  
आराजी खसरा नम्बर 108 रकबा 17.4095 हैक्टेयर(107-11 बीघा) किस्म बाराणी  
अव्वल के वर्तमान भूमि अभिलेख में 1/2 हिस्से में दर्ज मोहब्बतसिंह एवं नन्दसिंह जी  
के पक्षिसान प्रतिवादीगण "उदयसिंह पुत्र नन्दसिंह हिस्सा 1/6, उमरावसिंह पुत्र



सहायक कलक्टर  
(फास्ट ट्रेक) जैतारण

नन्दसिंह हिस्सा 1/12, किशनसिंह पुत्र लालसिंह हिस्सा 1/24, मानसिंह पुत्र सिंह हिस्सा 1/12, राजकंवर पुत्री नन्दसिंह हिस्सा 1/12, राजेशकंवर पत्नी लालसिंह हिस्सा 1/24" का नाम की प्रविष्टियों को विलोपित करते हुये इनके स्थान पर उक्त विवादित 1/2 हिस्से में अनुपातिक रूप से वादीगण भवानीसिंह, विकलकिशोर सिंह एवं जगपालसिंह पुत्र नारायणसिंह को खातेदारी अभिधारी घोषित करते हुये वादीगण को सम्पूर्ण आराजी का खातेदार अभिधारी घोषित किया जाता है एवं प्रतिवादीगण को जरिये शाश्वत व्यादेश पाबन्द किया जाता है कि वे स्वयं या अन्य नौकर चाकर, हाली एजेन्ट आदि द्वारा वादग्रस्त आराजी में वादीगण के कब्जे काशत एवं खातेदारी अधिकारों के उपयोग एवं उपभोग में किसी प्रकार का दखल व दस्तन्दाजी न करें न ही करावें। तहसीलदार जैतारण को निर्देशित किया जाता है कि वादग्रस्त आराजी के वर्तमान भू अभिलेख में दर्ज प्रतिवादी संख्या 01 मानसिंह पुत्र नन्दसिंह हिस्सा 1/12 व प्रतिवादी संख्या 03 उदयसिंह पुत्र नन्दसिंह हिस्सा 1/6 के हिस्से दर्ज रहन हिस्सा आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड शाखा जैतारण को वादीगण के हिस्से में अनुपातिक रूप से दर्ज करते हुये उपरोक्त अनुसार वादग्रस्त आराजी के भू अभिलेख को अद्यतन किया जावे। इसी कदर वाद-पत्र वादीगण विरुद्ध प्रतिवादीगण डिक्री किया जाता है। इसी मुताबिक डिक्री पर्चा पृथक से जारी हो जो इस निर्णय का भाग होगा। पत्रावली इसी कदर निर्णित होकर संख्या से एक होकर दाखिल दफ़्तर हो।

नीज .....-.....मुबलिक.....-.....बाबत.....-.....खर्चा इस मुकदमें मय सूद व शहर .....-.....फीस सदी सालाना आज की तारीख वसूल याबी तक .....-.....को अदा करें।

बसिब्त मेरे दस्तखत व मोहर अदालत के आज तारीख 28.08.2025 को जारी किया गया।

मोहर



सहायक कोर्ट  
सहायक कोर्ट  
(फास्ट ट्रैक) जैतारण  
जिला- ब्यावर (राज 0)

मुद्धई	रूपये	पैसे	मुद्धायलाह	रूपये	पैसे
स्टाम्प अर्जी दावा			स्टाम्प वकालतनामा		
स्टाम्प वकालतनामा			स्टाम्प अर्जी		
स्टाम्प वजह सबूत			महनताना वकील		
महनताना वकील			खर्चा गवाहान		
खर्चा गवाहान			फीस कमीशनर		
फीस कमीशनर			बाबत ईजराय हुक्मनामा		
बाबत ईजराय हुक्मनामा			मुत्फरिक		

मिजान:-

मिजान:-

नोट:- इस खर्च के फार्म पर कुल खर्चा यह हो फरीकेन को चाहे डिक्री के जरिए दिलाया गया हो, नहीं दर्ज किया जावे ।